



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 165]

सर्वे विल्सो, शनिवार, तितम्बर 18, 1982/ भाद्र 27, 1904

No. 165) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 18, 1982/BHADRA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे टेक यह अलग संकलन के लिए भी रखा जा सके

Separate pagling is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वार्षिक संकालन

नियंत्रित व्यापार मियवण

सार्वजनिक सूचना सं. 36 ईर्दीरी (पी.एन.)/82

नईदिल्ली, 19 मिन्तम्बर, 1982

विषय 1-1-1983 से 31-12-1983 तक समुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय आर्थिक समूदाय के सदस्य गण्डा, कनाडा स्वीडन, आस्ट्रिया और फिनलैंड का खुल समान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत सूत के कुछ कपड़ों/प्रीरों या ऊन और मनुष्य निर्मित धागा से तैयार भूमि के नियंत्रित के लिए योजना।

स्थिति सं. 2/53/8-2-ई 1-1-1 योजना यह योजना 1-1-83 से 31-12-83 तक की अवधि के लिए (1) समुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय आर्थिक समूदाय के सदस्य राज्यों (जर्मन सदौय गणराज्य, फ्रास, इटली, जर्मनी, यू. के.०, आर्पर्लैंड, डेनमार्क और फ्रीस), स्वीडन, आस्ट्रिया और कनाडा का सूत, ऊन और मनुष्य निर्मित धागों और (2) फिनलैंड का सूत और मनुष्य निर्मित धागों के कुछ कपड़ों प्रीरों/या तैयार भूमि के नियंत्रित से संबंधित है।

2 प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना में मनोनित नीति भारत और सबुद्ध आयात करने वाले देशों के बीच सबुद्ध विप्रवीर्य वस्त्र ममक्षीन के प्रावधानों पर आधारित समाधानों/प्रवैधनों के अधीन है। ऐसे समक्षीन पर ग्रन्ती वाल चल रही है/ग्रन्ति नहीं। यह जो रहा है। इन नीति की कुछ ग्रन्ति विवेषनाश्रा ग्रन्ति नीति का शास्त्रित करने के लिए अभिकरण, विभिन्न

पद्धतियों के अधीन विभिन्न सेमेन्ट (पी.एन./ग्रन्ति/प्रीरों/कपड़ों) में भावा का आरक्षण आबटन की गति, ग्रन्ति प्रावधान, लदान में पूर्व औपचारितकाता और सीमा गुल्क निवासी भावित की घोषणा उचित समय के भीतर में कर दी जाएगी।

3 भावा आबटन की प्रक्रिया और कोटा वर्ष का विवरण

नियंत्रित के लिए भावा के आबटन की तारीख पद्धतिया होगी ।

3.1 25% के वार्षिक स्तर का आबटन भूत काल के नियावन के आधार पर किया जाएगा। योग (वार्षिक स्तर का 75% भाग का आबटन "पहले प्राप्त सो पहले पाए" की मविदा आरक्षण के प्राप्तार पर और "पहले प्राप्त सो पहले पाए" तैयार माल के प्राप्तार पर कमश 55-45 के अनुपात में किया जाएगा। भूत कालीन नियावन के प्राप्तार पर आबटन के उद्देश्य के लिए 1-1-83 से 30-9-83 तक एक बार अवधि होगी। लेकिन, "पहले प्राप्त सो पहले पाए" सविदा अतिरिक्त और "पहले प्राप्त सो पहले पाए" तैयार माल के लिए कोटा वर्ष की छ-छ भूमियों की दो प्रवैधियों में आदा जाएगा जो 1-1-83 से 30-6-83 और 1-7-83 से 31-12-83 होगी। इन पद्धतियों 'पहले प्राप्त सो पहले पाए' सविदा आरक्षण और पहले प्राप्त सो पहले पाए तैयार भूमि के अन्वर्गत 60% मात्रा पहले की आधी अवधि में और 40% दूसरी आधी अवधि में उपलब्ध होगा।

4 भूतकालीन नियावन कोटा :

4.1 हक्कार्थियों के नियावन के लिए अभिकरण प्रथेक नियंत्रित के सम्बन्ध में मूकालीन नियावन प्रक्रिया के अधीन कोटे की दसदारी की

गणना करने वाला अभिकरण सूती वस्त्र नियति संबंधित परियद्, बन्धू (टेक्स्ट्रीसाल) होगा। इन संबंध में वस्त्र आयुक्त प्रक्रिया निर्धारित करेंगे और कार्य का निरीक्षण करेंगे।

आधार अवधि :

4.2 प्रत्येक देश/श्रेणी समूह के लिए हकदारी का नियतन, प्रत्येक नियतिक के लिए प्रत्येक देश/श्रेणी के लिए 1980, 1981 और जनवरी-जून 1982 के दौरान और नियति के आधार पर किया जाएगा।

4.3. भूतकालीन हकदारी का हस्तांतरण :— निम्नलिखित शर्तों के आधार पर भूतकालीन हकदारी हस्तांतरणीय होगी :—

- (1) वर्ष के दौरान किसी भी समय किसी भी नियतिक को अपनी हकदारी के किसी भी द्विसे का हस्तांतरण करने का एक नियतिक को विकल्प होगा।
- (2) हस्तांतरित मात्रा उस हस्तांतरी के नियति के रूप में मानी जाएगी जो वास्तव में मात्र का लवान करता है।
- (3) हस्तांतरी के पास की हकदारी उन्हीं गतों एवं नियमों के अधीन होगी जो हस्तांतरक के पास के काटे के लिए लागू हैं।
- (4) कोई नियतिक, जिसमें अपनी मात्रा विशेष श्रेणी/देश के किसी अन्य नियतिक को हस्तांतरित कर दी है वह उसी श्रेणी/देश के किसी अन्य नियतिक से अपने लिए मात्रा के हस्तांतरण के लिए पात्र नहीं होगा।
- (5) विशेष देश/श्रेणी के भूतकालीन निष्पादन हकदारी का हस्तांतरण उस नियति के लिए अनुमेय नहीं होगा जिसके पास उसी देश/श्रेणी में “पहले आए सो पहले पाए” संविदा आरक्षण कोटा हो ?

5. “पहले आए सो पहले पाए” संविदा आरक्षण पद्धति :

“पहले आए सो पहले पाए” संविदा आरक्षण के आधार पर अबंटन के लिए नियतिक को आवेदनपत्र के साथ जहाँ आबंटन की यूनिट किलो-ग्राम में होती हो वहाँ सभी श्रेणियों/देशों के मामले में 50 पैसे/किलोग्राम की दर पर, संयुक्त राज्य अमरीका और कनाडा की वस्त्र श्रेणियों में समयुक्त 5 पैसेगती गत की दर पर और यूरोपीय आर्थिक समुदाय तथा संयुक्त राज्य अमरीका को रसालों के नियति के मामले में 12 पैसे प्रति रसाल की दर पर परिणित भूल्य के लिए बैंक गारंटी द्वारा संभरित निष्पादन बांड देना होगा। अन्य संबंधित श्रेणियों/देशों के लिए दर की घोषणा सूती वस्त्र नियति संबंधित परियद् द्वारा की जाएगी। इस पद्धति के अन्तर्गत पोतलदान विलों पर पृष्ठांकन 21 दिन की अवधि के लिए दैध होगा और इन शर्त के अधीन होगा कि संबंध अवधि समाप्त होने की तिथि से पूरे 10 दिनों से अधिक के लिए किसी भी अवधि के दौरान किया गया कोई भी पृष्ठांकन दैध होगा।

5.1. “पहले आए सो पहले पाए” संविदा माल पद्धति : “पहले आए सो पहले पाए” तैयार माल के आधार पर आबंटन के मामले में नियतिकों को जहाँ कही भी लागू हो, वस्त्र सर्वान्तर का नियतिक पद, ए० आर० ४/ए० आर० ५ प्रपञ्च प्रस्तुत करने होंगे। “पहले आए सो पहले पाए” संविदा माल के आधार पर आबंटन के मद्दे लवान कोटा पृष्ठांकन की तारीख से पूरे 10 दिनों के भीतर करना पड़ेगा। नेफिन वस्त्र आयुक्त के विशेष प्रभाग के आधार पर दैध कारणों से कुछ विशेष मामलों में यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।

6. श्रीमी रप्तार की मद्दें :

वर्ष 1982 के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया के अनुसार वस्त्र आयुक्त भूतकालीन नियतियों और वर्तमान प्रवृत्ति के आधार पर श्रीमी रप्तार वाली मद्दों का अधिक्षण करेगा और उनकी सूची की घोषणा करेगा।

7. नियति की अनुमति भारत के किसी भी पत्तन से दी जाएगी।

8. सरकार को यह अधिकार होगा कि अह बिना किसी पूर्व सूचना के पूर्वोक्त व्यवस्थाओं में कोई भी संशोधन कर सकती है।

नियति संबंधित परियद्, के पांते इस प्रकार हैं :—

सूती वस्त्र नियति संबंधित परियद्

इर्ज/नियतिग सेंटर,

5वीं मंजिल

9 मेट्रो रोड

बन्धू-400 004

मणि नारायणस्वामी, मुड्ड नियन्त्रक,
आयात-नियति

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 36-ETC(PN)/82

New Delhi, the 18th September, 1982

Sub : Scheme of exports under OGL. 3 of certain Fabrics and/or made-up items made from Cotton, Wool and man-made fibres, to USA, European Economic Community Member States, Canada, Sweden, Austria and Finland from 1-1-1983 to 31-12-1983.

File No. 2/53/82-ET.—1. The Scheme . This Scheme relates to the export of certain Fabrics and or made-up items f (i) Cotton, Wool and man-made fibres to USA, European Economic Community-Member States, (Federal Republic of Germany, France, Italy, Benelux, U.K., Ireland, Denmark and Greece), Sweden, Austria and Canada and (ii) Cotton and man-made fibres to Finland for the period 1-1-1983 to 31-12-1983.

2. The Policy indicated in this Public Notice is subject to amendments/amplifications based on the provisions of the relevant bilateral Textile Agreements between India and the concerned importing countries. Such agreements are currently under negotiation/ finalisation. Certain other features of this policy viz. Agency for Administration of the Policy, Reservation of quantities into various segments (PL/MM/HL/KT) under different systems, terms and conditions of allotment, appeal provisions, pre-shipment formalities and customs clearance etc., will be announced in due course.

3. Systems and quantum of allotment, and Divisions of the allotment year :

There will be three systems of allocation of quantity for export :—

3.1. 25 per cent of the annual level will be allocated on the basis of past performance. The balance (75 per cent of Annual level) will be allocable on FCFS contract reservation basis and FCFS ready goods basis in the ratio of 55 : 45 respectively. For the purpose of allotment on the basis of past performance there will be single period from 1-1-1983 to 30-9-1983. However, for FCFS contract reservations and FCFS ready goods, the year will be divided into the six months period 1-1-1983 to 30-6-1983 and

1-7-1983 to 31-12-1983. 60 per cent of the quantity available under these systems (FCFS Contract reservation and FCFS Ready Goods) will be allotted during the first period and 40 per cent during the second period. The above periods|systemwise ratios may, however, be modified by the Government depending upon the demand patterns and other parameters.

4. Past performance Entitlement :

4.1 Agency for determining entitlements.—The agency for calculation of the entitlement under the past performance system in respect of each exporter will be the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay, (TEXPROCIL). The Textile Commissioner will lay down procedures in this regard and supervise the work of the TEXPROCIL.

4.2 Base period.—The entitlement will be determined prorata for each country|category combination on the basis of the average of export during 1980, 1981 and January—June 1982 for each country|category for each exporter.

4.3 Transferability of past performance entitlement.—PP entitlement shall be transferable subject to the following conditions:—

1. An exporter will have the option to transfer any portion of his entitlement to any other exporter at any time during the year.
2. The quantity transferred shall be counted as exports of the transferee, who actually ships the goods.
3. The entitlement in the hands of the transferee shall be subject to the same terms and conditions as those applicable to it in the hands of the transferer.
4. Any exporter, who has transferred quantities in a particular category|country to another exporter shall not be eligible to seek transfer from any other exporter to himself in the same category|country.
5. Transfer of PP entitlement in a particular country|category shall not be allowed to the exporters who have FCFS Contract reservation quota in the same category|country.

5. FCFS Contract Reservation systems :

For allotment on FCFS contract reservation basis, the exporters will have to submit, alongwith the

application, performance bond backed by bank guarantee for the value calculated at the rate of 50 paise/kg. in case of all categories|countries where the unit of allocation is in Kilogram, 5 paise per square yard equivalent in Fabric categories of USA and Canada and 12 paise per picc in case of exports of handkerchiefs to European Economic Countries and USA. The rates for other categories|countries concerned will be announced by TEXPROCIL under this system, endorsement by the TEXPROCIL shall be valid for a period of 21 days subject to the condition that no endorsement made during any period shall be valid beyond 10 clear days from the expiry of the period concerned.

FCFS ready goods systems :

5.1 In the case of allocation of quantity on the basis of FCFS ready goods, the exporters will have to submit the Textile Committee inspection certificate, AR 4|AR 5 forms, whenever applicable, alongwith the application and shipping documents. Shipments against allocation on FCFS ready goods basis will have to be offered within 10 clear days from the date of quota endorsement. However, this period can be extended in exceptional cases for valid reasons on specific authorisation from Textile Commissioner.

6. Slow moving items :

In line with the practice followed during the year 1982, the Textile Commissioner, will identify and announce a list of slow moving items on the basis of past exports and prevailing trends.

7. Exports will be allowed from any port in India.

8. Government reserves the right to make amendments to any of the foregoing provisions without giving prior notice.

9. The address of the EPC is as follows :

The Cotton Textile Export Promotion Council,
Engineering Centre,
5th Floor,
9, Mathey Road,
Bombay-400001.

MANI NARAYANSWAMY, Chief Controller
Imports and Exports

